शनिवार
21 सितम्बर 2024

पृष्ठ 4
बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए..

पृष्ठ 5
प्रज्ञा जैसवाल का हॉट लुक, अदाएं...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 224
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

एक सरल जीवन अधिक स्पष्टता, आंतरिक शांति और सार्थक संबंधों को जन्म देता है।
— मार्गो वेडर

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बढ़ते महिला अपराधों पर कांग्रेस का हल्ला बोल

सीएम आवास घेरने निकले कांग्रेसी, हाथी बड़कला में रोके

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में बढ़ते महिला अपराधों को लेकर महिला कांग्रेस ने आज राजधानी दून की सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन और नारेबाजी की। सीएम आवास घेराव को निकले कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने बैरिकेटिंग लगाकर हाथीबढ़कला पुलिस चौकी पर रोक दिया गया। इस दौरान कुछ कांग्रेसी नेताओ ने आगे बढ़ने की कोशिश भी की और उनकी पुलिस के साथ तकरार भी हुई लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया। जिस पर वहीं सड़क पर बैठकर कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन किया।

कांग्रेस के ज्ञापन में कहा गया है कि 2 साल बीत जाने के बाद भी अंकिता भंडारी के परिजन न्याय के लिए भटक रहे हैं। कांग्रेसियों ने मांग की है कि उस वीआईपी का नाम उजागर किया जाए जिसे अब तक छुपा कर रखा हुआ है। उनका कहना है कि नैनीताल में भाजपा नेता पर महिला के यौन शोषण से लेकर हरिद्वार में नाबालिक से रेप व हत्या के

●सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप
●शासन-प्रशासन अपराधों को रोकने में फेल

मामलों में भाजपा नेताओं के नाम सामने आए हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि जब सत्ता में बैठे लोग ही महिलाओ ंकी इज्जत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं तो उनकी रक्षा कौन करेगा। उन्होंने कहा कि आईएसबीटी पर बस में नाबालिक के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना हो जाती है। पलटन बाजार में दिनदहाड़े लड़की से छेड़छाड़ होती है, रामनगर में नर्स की हत्या और बलात्कार जैसी घटनाएं यह बताती है कि महिलाओं पर अपराध बढ़ते जा रहे हैं और सरकार अपराध रोंकने में असफल साबित हो चुकी है।

तय कार्यक्रम के अनुसार बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता आज कांग्रेस मुख्यालय में जमा हुए जहां से वह कांग्रेस नेत्री ज्योति गैरोला के नेतृत्व में जुलूस की शक्ल में सीएम आवास घेराव के लिए निकले। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

केदारनाथ पैदल मार्ग पर फिर बड़ा भूस्खलन

❑यात्रा रोकी गई, यात्रियों से सुरक्षित स्थानों पर रुकने की अपील
❑जंगल चट्टी के ऊपर फंसे यात्री, प्रशासन की रेस्क्यू टीमें बचाव में जुटी

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर देर रात जंगल चट्टी के पास हुए भारी भूस्खलन से 20 मीटर के करीब सड़क पूरी तरह से टूटकर बह गई जिससे मार्ग पर आवागमन ठप हो गया। केदारनाथ धाम तथा सोनप्रयाग की तरफ से आने जाने वाले यात्रियों को अब रेस्क्यू कर निकाला जा रहा है। यात्रियों से प्रशासन ने अपील की है कि वह फिलहाल सुरक्षित स्थानों पर जहां भी है वहीं रुके।

गनीमत यह है कि जिस समय यह भूस्खलन हुआ उस समय वहां कोई नहीं था जिससे जान माल का कोई भारी नुकसान नहीं हुआ है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें अब यात्रियों को रेस्क्यू करने में जुटी हैं तथा मार्ग को ठीक करने का काम भी शुरू हो गया है।

31 अगस्त को केदारनाथ मार्ग पर हुए बड़े भूस्खलन के बाद केदारनाथ यात्रा को रोकना पड़ा था। बीते तीन-चार दिन पूर्व ही यात्रा को शुरू किया गया है तथा धाम में यात्रियों का पहुंचना शुरू हुआ है लेकिन इस मार्ग पर अभी भी भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। दो दिन से मौसम साफ होने के कारण धाम में यात्रियों की चहल-पहल बढ़ी थी तथा हेली सेवाओं ने भी ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

जम्मू-कश्मीर में यह चुनाव तीन परिवारों के शासन को समाप्त करने जा रहा है: अमित शाह

जम्मू । जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण के लिए 25 सितंबर को वोटिंग होगी। वोटिंग से ठीक पहले केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी नेता अमित शाह जम्मू कश्मीर पहुंचे। यहां मतदाताओं को अपने पक्ष में साधने के लिए जनसभा की। जम्मू-कश्मीर के मेंढर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, जम्मू-कश्मीर में यह चुनाव तीन परिवारों के शासन को समाप्त करने जा रहा है- अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार। यह आवश्यक है क्योंकि इन तीन परिवारों ने यहां लोकतंत्र में बाधा डाली है। अमित शाह ने आगे कहा कि अगर 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में नहीं आती, तो यहां न तो पंचायत चुनाव होते और न ही ब्लॉक चुनाव होते। इस दौरान उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला यह डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कि आतंकवाद जम्मू में वापस आ जाएगा। अब्दुल्ला साहब, चाहे कुछ भी हो जाए, मैं आज घाटी से घोषणा कर रहा हूं कि हमारी सरकार केंद्र में है, मैं गृह मंत्री हूं, नरेंद्र मोदी पीएम हैं और हम आतंकवाद को इन खूबसूरत घाटियों में प्रवेश नहीं करने देंगे। फारूक अब्दुल्ला ने आपको आतंकवाद से बचाने के लिए कुछ क्यों नहीं किया? जब यहां आतंकवाद फैल रहा था, तो वह लंदन में गर्मियों का आनंद ले रहे थे।

अब सूरत में रेल पटरी मिली पर फिशप्लेट और चाबियां

सूरत। सूरत में किम रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक से फिशप्लेट और चाबियाँ हटाने के बाद शनिवार को ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम हो गई।

पश्चिमी रेलवे के अनुसार, वडोदरा डिवीजन के अज्ञात लोगों ने यूपी लाइन ट्रैक से फिशप्लेट और कुछ चाबियाँ खोलकर किम रेलवे स्टेशन के पास उसी ट्रैक पर रख दीं। इससे बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन समय रहत डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट की-मैन ने की-मैन सुभाष कुमार को अलर्ट किया। इसके बाद ट्रैक की जांच की गई और पाया गया कि किसी ने रेल को डिरेल करने के लिए यह साजिश रची थी। जानकारी मिलते ही ट्रेन की आवाजाही रोकी गई और ट्रैक को दुरुस्त किया गया। परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया है।

घटना सुबह 05:24 बजे की है, जब अलर्ट की मैन सुभाष कुमार को डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट किम के माध्यम से सूचना मिली कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अप ट्रैक से फिश प्लेट और कुछ चाबी खोलकर अप ट्रैक पर रख दी है। यह घटना किमी 292/27-291/27 के बीच घटी। सूरत में हुई यह घटना कोई अलग मामला नहीं है। यह उत्तर प्रदेश (यूपी) में पहले की गई एक प्रयास की याद दिलाता है, जहां एक ट्रेन को पटरी से उतारने के लिए इसी तरह की रणनीति अपनाई गई थी। रेलवे सुरक्षा से समझौता करने के ऐसे दुर्भावनापूर्ण प्रयास विभिन्न राज्यों में हुए हैं, जिससे अपराधियों के इरादों और पहचान के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा होती हैं। तोड़फोड़ के जरिए रेलवे सेवाओं को बाधित करने के बार-बार किए गए प्रयासों से इसमें शामिल लोगों की पहचान और मंशा के बारे में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इन घटनाओं के पैटर्न से सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए जानबूझकर किए गए प्रयास का संकेत मिल रहे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

मानसून की मार

भले ही अब मानसून अपनी विदाई की ओर अग्रसर है लेकिन उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य के लिए यह मानसून किसी बड़ी आपदा से कम नहीं रहा है। तीन माह से भारी बारिश की मार झेलने वाले उत्तराखंड को इस मानसूनी सीजन में भारी जान-माल का नुकसान झेलना पड़ा है। सबसे अधिक नुकसान सड़कों को पहुंचा है वहीं अब तक 70 के आस-पास लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अतिवृष्टि के कारण भूस्खलन की घटनाएं तो बीते साल की तुलना में दो गुना से भी अधिक हुई। जिनकी संख्या 3000 से भी अधिक रही है। भूस्खलन की चपेट में आकर न सिर्फ वाहनों को नुकसान पहुंचा है बल्कि सड़कों के बंद होने की वजह से जगह-जगह यात्रियों के फंसने और उनका रेस्क्यू करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। राज्य की छोटी बड़ी 500 से अधिक सड़कों की हालत ऐसी हो गई है कि वह चलने के काबिल भी नहीं रह गई है। कई स्थानों पर तो सड़के ऐसे पास आउट हो चुकी है कि उसे देखकर यह पता भी नहीं चल पाता है कि यहां पहले सड़क भी थी। अभी दो दिन पहले आपदा सचिव का बयान आया था बंद पड़ी सड़कों में से 300 सड़कों को खोल दिया गया है। उनका यह भी कहना था की बारिश रुकते ही इन सड़कों के गढ्ढो को भरने का काम एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन क्या सड़कों के गड्ढे भरने से इसकी स्थिति ठीक हो जाएगी? इन गड्ढो को भरकर आने-जाने लायक ही बनाया जा सकता है इनकी मरम्मत या फिर पुनर्निर्माण के काम में कई महीने का समय लगेगा जो स्वाभाविक है। राज्य की सड़कों के लिए हर साल 1000 करोड़ का बजट खर्च किया जाता है। लेकिन इस साल पीडब्ल्यूडी विभाग को इस बजट का 25 फीसदी कम पैसा मिलेगा क्योंकि मानसूनी काल में दूसरी एजेंसियां 300 से 350 करोड़ पहले ही खर्च कर चुकी हैं। राज्य की अत्यंत ही बदहाल हो चुकी इन 300 से अधिक सड़कों को 7.5 सौ करोड़ में कितना ठीक किया जा सकेगा यह समय ही बताएगा। भूस्खलन और भूंधसाव की जद में आए दर्जनों गांव विस्थापन की बाट जोह रहे हैं। चमोली, टिहरी और नैनीताल के अनेक गांवों में भूस्खलन के कारण लोगों को विस्थापित किए जाने का इंतजार है। वही जोशीमठ सहित अन्य तमाम क्षेत्रों में भूस्खलन की समस्या के साथ-साथ भूंधसाव से भी लोगों को भारी खतरा बना हुआ है। यूं तो हर साल ही राज्य को मानसूनी आपदा से दो-चार होना पड़ता है तथा मानसून काल में जो नुकसान होता है उसकी भरपाई अगले मानसून तक भी नहीं हो पाती है। कोटद्वार की मालन नदी का जो पुल बीते साल बारिश में टूट गया था उसे अभी तक नहीं बनाया जा सका है। अब एक और मानसून काल गुजर गया यह पुल अगले मानसून काल तक बन सकेगा या नहीं कुछ कहा नहीं जा सकता है। उधर किसानो की कृषि भूमि और बागवानी को भी भारी नुकसान पहुंचा है। सैकड़ो हेक्टर जमीन हर साल नदियों के प्रवाह और अतिवृष्टि के कारण बह जाती है। सरकार द्वारा आपदा पीड़ितों को जो सहायता राशि दी जाती है अगर उसकी बात की जाए तो वह ऊंट के मुंह में जीरा जैसी ही कहीं जा सकती है। इन दिनों राज्य के कई जिलों में इसे लेकर आपदा प्रभावित लोग आंदोलन कर रहे हैं उनका कहना है कि आज के दौर में 40-50 हजार में क्या घर बन पाना संभव है? लेकिन सरकार तो मानकों के अनुसार ही सहायता दे सकती है। कुल मिलाकर इस मानसून काल में हुए नुकसान की भरपाई अगले मानसून काल तक भी हो सकेगी इसकी उम्मीद करना भी बेकार ही है।

चकाचौंध वाली लाईटें लगें वाहनों के चालकों पर चला पुलिस का डंडा

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतू रात्रि में वाहनों पर अनाधिकृत फ्लैशर लाइट (चकाचौंध वाली लाइटें) लगाकर वाहन चलाने वाले 35 चालकों के खिलाफ पुलिस ने चालानी कार्यवाही की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों व यातायात प्रभारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतू प्रभावी चैकिंग कर रात्रि में वाहनों पर अनाधिकृत फ्लैशर लाइट (चकाचौंध वाली लाइटें) लगाकर वाहन चलाने वाले के खिलाफ कार्यवाही को कहा गया। क्योंकि ये चकाचौंध वाली लाईटें सामने वाले वाहन चालकों की आँखों में सीधी पड़ती है जिस कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। जिस क्रम दिनांक बीती शाम से लेकर रात्रि तक जनपद के समस्त थाना और यातायात प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में फ्लैशर लाईट लगाकर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले 35 वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही करने के साथ-साथ उनके वाहनों से फ्लैशर लाइट्स को भी हटाया गया है।

प्रेमावतार के रूप में प्रकट हुए कृष्णः स्वामी परविंदर पुरी जी महाराज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्री अखिल भारतीय अखाड़ा पारिषद के अध्यक्ष श्री श्री 108 महंत रविन्द्र पुरी जी महाराज के पावन सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा (पितरों के मोक्ष निमित्त) का आयोजन श्री अभय मठ शक्ति पीठ मंदिर लक्ष्मण चौक देहरादून के तत्वाधान में हो रहे भागवत सप्ताह में आज चतुर्थ दिवस की कथा में व्यास जी ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण का देवकी के पुत्र के रूप में जो अवतार हुआ वो सोलह कलाओं का प्रेमावतार हुआ।

उन्होंने नंदग्राम व वृंदावन में जाकर जो उन्होंने यशोदा के लाल के रूप में जो नटखट लीलाएं की उनका वर्णन अपरंपार है । भगवान कृष्ण ने अपनी लीलाओं से संसार में और अपने जीवन में प्रेम अपनाने का संदेश दिया । प्रेम संसार में व्याप्त दुखों को दूर करता है व्यास जी ने हिरणकश्यप उनके पुत्र भक्त प्रहलाद के लिए नरसिंह अवतार की कथा वर्णन किया और कहा भगवान भक्त वत्सल है और भक्तो की पुकार सुनकर भागते है। श्री राम की प्रतीक्षा शबरी का वर्णन सुनाते हुए व्यास जी बताया कि सेवक को ऐसी सेवा करनी चाहिए कि सेवा दिखाई ना दे नही तो अभिमान हो जाता है । मानव जन्म अत्यंत दुर्लभ है, इसी जन्म में भगवतप्राप्ति हो सकती है । भावपूर्ण भजनों पर भक्तगण भाव विभोर हो गए।

समुद्र मंथन की कथा सुनाते हैं व्यास जी ने कहा किस प्रकार समुद्र मंथन में निकले विष को भोलेनाथ बाबा कंठ रख लिया और फिर नीलकंठ महादेव कहलाए ।

आज श्रीकृष्ण जन्म के शुभ अवसर पर व्यास जी और कीर्तन मंडली ने साथ सभी माखन, मिश्री, पंजीरी व विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर आरती कर बाल रूप कृष्ण को प्रसन्न किया । इस अवसर पर टपकेश्वर महादेव के श्रीमहंत किशन गिरि जी महाराज, भगवंत पुरी जी महाराज, रवि गिरि जी महाराज', प्रशांत शर्मा, महिला मंडल से रेखा बंसल, मनु गुप्ता सैकड़ों भक्तजन उपस्थित रहे

जेवरात देखने आये युवक युवती ने चैन चोरी की, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। सुनार की दुकान पर जेवरात देखने आये युवक युवती ने चैन चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमन विहार निवासी दीपक कुमार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राजपुर रोड जाखन स्थित तनिष्क ज्वैलरी शोरूम में स्टोर मैनेजर के पद पर तैनात है। उनके शोरूम में सोने की चैन खरीदने के लिए एक युवक और एक युवती आए। जो कि दोपहर में करीब सवा दो मिनट पर शोरूम में दाखिल हुए थे। जिनके द्वारा अन्य ग्राहको की तरह शोरूम में चैन देखी गई। शोरूम में चैन देखने के दौरान इनके द्वारा मौका देखकर एक सोने की चैन जिसका वजन लगभग 45.80 ग्राम था। चोरी कर ली गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

तमंचा व चाकू के साथ दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने तमंचे व चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना भगवानपुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उनके पास से तमंचा कारतूस व एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मोहित सैनी पुत्र बालेश सैनी निवासी ग्राम तेलीपुरा थाना देहात कोतवाली जनपद सहारनपुर उ.प्र. व मोनू सैनी उर्फ बादल पुत्र सुखबीर सैनी निवासी हसनपुर मदनपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने लोगों से जनसम्पर्क कर दिलायी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज हाथीबड़कला में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के श्रीदेव सुमन नगर मंडल द्वारा आयोजित भाजपा के सदस्यता अभियान के अंतर्गत घर-घर जनसंपर्क कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान के अंतर्गत घर-घर जनसंपर्क कर आमजन को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करवाई और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्रक भी बांटे और स्टीकर भी लगाए।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आमजन से 8800002024 पर मिस्ड कॉल कर भाजपा परिवार से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी को विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनैतिक पार्टी से जुड़कर सशक्त भारत के नव निर्माण में अपनी भूमिका निभाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्धी तक पहुंचाने में अधिक से अधिक संख्या में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का भी आव्हान किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का फीडबैक भी लिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, निर्वतमान पार्षद भूपेंद्र कठेत, अशोक, रमेश प्रधान, रवि सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत के लिए आगे बढने़ की संभावनाएं खुली

सत्येन्द्र रंजन

पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए थे। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढने़ की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है। पेरिस में हुए पैरालम्पिक खेलों में इस बार भारत ने रिकॉर्ड कामयाबी हासिल की। सात स्वर्ण, नौ रजत, और 13 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में भारत 18वें नंबर पर रहा। यह पहला मौका है, जब इन खेलों में भारतीय दल ने 29 पदक जीते हैं। और चूंकि पैरालम्पिक खेलों में भारत लगातार प्रगति कर रहा है, तो यह उम्मीद बांधी जा सकती है कि अगले खेलों में भारत सफलता की और सीढियां चढ़ेगा। पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढने़ की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है। 2016 के रियो द जनेरो पैरालम्पिक्स में भारत चार मेडल जीत कर 43वें स्थान पर रहा था। 2020 के टोक्यो पैरालम्पिक्स में भारत ने 19 मेडल जीते और 24वें नंबर पर रहा।

भारत की ये सफलताएं देश में विकलांग व्यक्तियों के प्रति बदलती सोच का संकेत है। देश के एक बड़े जनमत में यह भाव उतरा है कि विकलांगता का मतलब जीवन का बेमतलब होना नहीं है। विकलांगता किसी एक अंग की होती है, जिससे व्यक्ति की बाकी क्षमताएं एवं प्रतिभा अप्रभावित रहती है। आवश्यकता उसे उचित वातावरण उपलब्ध कराने की होती है। यह अच्छी बात है कि भारत सरकार ने विकलांग खिलाडियों को बढ़ावा देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराया है। उनकी ट्रेनिंग और खेल प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उपाय किए गए हैँ। यह सब पर्याप्त नहीं है, लेकिन जो हुआ है, उसे एक प्रगति माना जाएगा। पैरालम्पिक जैसे आयोजनों की तुलना ओलिंपिक्स से करना निरर्थक है। ओलिंपिक्स में वे खिलाड़ी भाग लेते हैं, जिनसे तमाम उम्मीदें रहती हैं। जबकि विकलांग व्यक्ति से समाज तो दूर, परिजन भी कोई आशा नहीं रखते। ऐसे खिलाड़ी तमाम प्रतिकूल चुनौतियों का मुकाबला करते हुए आगे बढ़ते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि हर विकलांग खिलाड़ी के पीछे एक पूरी कहानी होती है। यह कहानी संघर्ष, जीवट और जज्बे की होती है। देखा यह गया है कि जब व्यवस्था के केंद्र में हर तबके और हर व्यक्ति के विकास को केंद्र में रखा जाता है, तो उसके करिश्माई नतीजे देखने को मिलते हैं। गौर कीजिए- बीजिंग के घरेलू माहौल को छोड़ कर कभी ऐसा नहीं हुआ कि चीन स्वर्ण पदक जीतने के मामले में ओलिंपिक खेलों में अमेरिका को पछाड़ पाया हो। इस बार इसे उसकी एक बड़ी कामयाबी माना गया कि 40 स्वर्ण पदक जीत कर वह अमेरिका के साथ बराबरी पर रहा। लेकिन पैरालम्पिक्स की बात आते ही सारी कहानी बदल जाती है।

पेरिस पैरालम्पिक्स में चीन ने 94 स्वर्ण, 73 रजत और 49 कांस्य के साथ 216 पदक जीते। दूसरे नंबर पर रहे ब्रिटेन ने 47 स्वर्ण पदक जीते, यानी चीन से ठीक आधा। उसे कुल 120 पदक हासिल हुए। 36 स्वर्ण पदको और 102 के कुल पदकों के साथ अमेरिका तीसरे नंबर पर रहा। दरअसल, इन खेलों में अमेरिका का दबदबा 1996 के बाद ही टूट गया था। साल 2000 के सिडनी पैरालम्पिक्स में ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर रहा। उसके बाद- यानी 2004 में एथेंस से लेकर 2024 में पेरिस तक पहला स्थान चीन ने हासिल किया है। अब बात सिर्फ पहले नंबर की नहीं है। बल्कि अब चीन का दबदबा इतना ज्यादा है कि बाकी देशों के बीच मुकाबला दूसरे नंबर पर आने के ही बच गया है। इस बात की पुष्टि हाल के हर पैरालम्पिक खेल करते हैँ। आखिर इसका राज़ क्या है? हम भारत इस बात पर ध्यान दें, तो ओलिंपिक और पैरालम्पिक दोनों खेलों में भारत की प्रगति के लिए ठोस एवं फलदायी योजनाएं बना सकते हैं। खेल विशेषज्ञों से बात करें, तो चीन की सफलता के कुछ राज़ वे बताते हैं। उनके मुताबिक, चीन सरकार ने विकलांगों से संबंधित खेलों में भारी निवेश किया है। इससे उम्दा दर्जे का खेल ढांचा उपलब्ध हुआ है और ट्रेनिंग की आधुनिकतम सुविधाएं इन खिलाडियों को मिलती हैं।

1. सरकार संचालित एथलीट विकास कार्यक्रम के तहत खिलाडियों के आगे बढने़ की मजबूत बुनियाद उपलब्ध कराई गई है।

2. प्रतिभा की पहचान और उनकी प्रगति का निरंतर ऑब्जर्वेशन किया जाता है।

3. देश के अंदर विकलांग खेल प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित होती हैं, जिनसे खिलाडियों को बहुमूल्य अनुभव प्राप्त होता है।

लेकिन वास्तव में यह पहलू पूरी कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। कहानी असल में बुनियादी स्तर पर सबके लिए उपलब्ध सुविधाओं से शुरू होती है। हर व्यक्ति की अपनी जरूरत के मुताबिक मानव विकास की मूलभूत व्यवस्था मौजूद रहे, तो प्रतिभा के झलकने, उसकी पहचान और फिर उसका पोषण करने का तंत्र स्वाभाविक रूप से कायम होता जाता है। अमेरिका में खेल प्रतिभा की पहचान और उसके पोषण की जिम्मेदारी कॉरपोरेट सेक्टर के कंधों पर रही है। ओलिंपिक स्पोर्ट्स में यह ढांचा भी अब तक कारगर है। लेकिन इस ढांचे में मुश्किल यह है कि कंपनियां उन्हीं खिलाडियों में निवेश करती हैं, जिनका आगे चल कर वे इश्तहार के रूप में इस्तेमाल कर पाएं। यानी जिनका एनडोर्समेंट उपभोक्ताओं का ध्यान खींचने में सक्षम हो। जैसाकि हमने ऊपर कहा है, हर विकलांग खिलाडियों के साथ एक संघर्ष गाथा जुड़ी होती है। दरअसल, उसके साथ एक एक व्यथा कथा भी जुड़ी होती है। इसलिए उनका खेलना ही महत्त्वपूर्ण है। अब तक किसी समाज में आम तौर पर ऐसे खिलाडियों का बाजार मूल्य ऐसा नहीं बन पाया है, जिससे उनका एनडोर्समेंट कंपनियों को मूल्यवान लगे। नतीजा यह है कि पैरालम्पिक स्पोर्ट्स में सामान्य ओलिंपिक खेलों जैसा निवेश नहीं होता।

साँसों में बदबू क्यों आती है...!

आप अपने दोस्त को कुछ करने के लिए फुसफुसाते हैं और आप अपने दोस्त के चेहरे पर नज़र से बता सकते हैं कि कुछ गड़बड़ है। क्या यह आपकी सांस हो सकती है? हो सकता है कि आपको दोपहर के भोजन पर अपने हैमबर्गर पर अतिरिक्त प्याज नहीं रखना चाहिए। बदबूदार सांस वाले लोगो को क्या करना चाहिए?

यह गंध कैसी है?

खराब सांस का चिकित्सकीय स्थिति के लिए सामान्य नाम है जिसे हैलिटोसिस कहते हैं- हाल-उह-टो-सीस)। कई अलग-अलग चीजें मुंह से दुर्गंध पैदा कर सकती हैं जैसे अपने दांतों को ब्रश न करने से लेकर कुछ अलग चिकित्सकीय स्थिति।

कभी-कभी, किसी व्यक्ति की बुरी सांस आपको बहुत परेशान करती है - और उसे पता नहीं चलता कि कोई समस्या है। खराब सांस के बारे में किसी को बताने के तरीके (अच्छे) हैं। आप बिना कुछ कहे पुदीना या चीनी रहित गोली पेश कर सकते थे।

यदि आपको संदेह है कि आपकी खुद की सांस बेईमानी है, तो किसी ऐसे व्यक्ति से पूछें जो आपको मज़ाक उड़ाए बिना एक ईमानदार जवाब देगा। बस अपने भाई या बहन से मत पूछिए - वे आपको बता सकते हैं कि आपकी सांसें तब भी बदबू मारती हैं, जब ऐसा नहीं होता।

हालाँकि हर किसी को कभी-कभी बुरी सांस मिलती है, अगर आपकी सांस बहुत खराब है, तो आपको अपने दंत चिकित्सक या डॉक्टर से मिलने की आवश्यकता हो सकती है।

सांसों की बदबू क्या है?

खाद्य पदार्थ और पेय, जैसे कि लहसुन, प्याज, पनीर, संतरे का रस और सोडा को खराब दंत स्वच्छता देते है ।

ही जीन जिसका अर्थ है नियमित रूप से ब्रश और फ्लॉसिंग नहीं करना।

बदबूदार सांस को रोकना

तो एक बच्चे को क्या करना चाहिए? धूम्रपान न करें या तंबाकू उत्पादों का उपयोग न करें। और दिन में कम से कम दो बार अपने दांतों को ब्रश करके और दिन में एक बार फ्लॉसिंग करके अपने मुंह का ख्याल रखें। अपनी जीभ को भी ब्रश करें, क्योंकि बैक्टीरिया वहां बढ़ सकता है। दिन में एक बार फ्लॉसिंग करने से आपके दांतों के बीच मौजूद कणों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा, नियमित जांच और सफाई के लिए साल में दो बार अपने डेंटिस्ट के पास जाएं।

डेंटिस्ट पर जाने से न केवल आपके दांतों को पूरी तरह से सफाई मिलेगी बल्कि दंत चिकित्सक आपके मुंह के चारों ओर किसी भी संभावित समस्याओं का पता भी लगा सकते है। उदाहरण के लिए, मसूड़ों की बीमारी, जिसे पीरियडोंटल बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, खराब सांस और आपके दांतों को नुकसान पहुंचा सकती है। आमतौर पर, खराब सांस के लिए एक कम जटिल कारण है-जैसे कि आपके पास दोपहर के भोजन के लिए क्या था। तो अपने ब्रशिंग और फ्लॉसिंग को सही ढंग से करते रहे और गंध मुक्त रहे।

हर दिन कितने अंडे खाने चाहिये

पिछले कुछ समय में कई लोगों को यह कहकर काफी हतोत्साहित कर दिया गया था कि हर दिन अंडे का सेवन नुकसान पहुँचा सकता है क्योंकि इसमें बेड कोलेस्ट्रॉल होता है। लेकिन अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने इस बारे में लोगों को चेताया और जानकारी दी। अंडे के कोलेस्ट्रॉल का शरीर पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। हर दिन कोई भी स्वस्थ व्यक्ति 300 मिलीग्राम तक कैलोस्ट्रॉल का सेवन कर सकता है, यानि एक से डेढ अंडे का। एक अंडे में 200 मिग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है जो संतृप्त और असंतृप्त वसा का संतुलित मिश्रण होता है। कई अध्ययनों से यह साबित हो चुका है कि एक सप्ताह में 5 से 6 अंडों का सेवन किया जा सकता है जो किसी भी प्रकार के रोग को नहीं होने देगा। इस पर कुछ अध्ययन हो चुके हैं। अंडे में प्रोटीन, विटामिन बी12, रिबोफफ्लेविन और विटामिन डी होता है जो दिल को स्वस्थ बनाएं रखता है। इस शोध के बाद डॉक्टरों ने यह भी बताया है कि मीट या कार्बोहाईड्रेट युक्त फूड खाने से बेहतर है कि अंडे का सेवन कर लिया जाये।

जूनियर एनटीआर की देवरा- पार्ट 1 पर सेंसर बोर्ड ने चलाई कैंची

कोरटाला शिवा की तेलुगु एक्शन फिल्म देवरा- पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर लीड रोल प्ले कर रहे हैं। फिल्म 27 सितंबर को रिलीज होगी उसके पहले इसे चार मॉडरेशन के बाद सीबीएफसी ने यू/ए सर्टिफिकेट दिया है। मेकर्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एनटीआर जूनियर की फिल्म देवरा- भाग 1 (तेलुगु) की रिलीज को हरी झंडी दे दी गई है और सेंसर ने इसे यू/ए सर्टिफिकेट दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक मेकर्स को फिल्म में चार कट लगाने के लिए कहा गया था। जिसके बाद उन्हें यू/ए सर्टिफिकेशन मिला। चार कट में से तीन वायलेंस वाले सीन थे। एक सीन था जिसमें कैरेक्टर अपनी पत्नी के पेट पर लात मारता है, जिसे बदलने के लिए कहा गया। दूसरा, एक और ऐसा ही दृश्य जिसमें एक किरदार अपनी मां को लात मारता है, उसमें भी इसी तरह का बदलाव करने को कहा गया है। तीसरा, तलवार से लटकते हुए और फिर उसमें से नीचे की ओर फिसलते हुए एक किरदार के पांच सेकंड के शॉट को हटा दिया गया है। चौथा बदलाव टेक्निकल है जिसमें समुद्र में शार्क की सवारी करते जूनियर एनटीआर के फेमस शॉट को भी सीबीएफसी ने थोड़ा चेंज करने को कहा है क्योंकि शार्क सीजीआई के माध्यम से बनाई गई है। भारत में शूटिंग के दौरान जानवरों को नुकसान पहुंचाने की परमिशन नहीं दी गई है। इन चार सीन को बदलने के बाद देवरा पार्ट 1 का रनटाइम 2 घंटे 58 मिनट हो गया है और इसे यू/ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है। फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। देवरा- पार्ट 1 में जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी लीड रोल में हैं। जूनियर एनटीआर देवरा में लीड रोल निभा रहे हैं वहीं सैफ विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं।

अगर आप भी माइक्रोवेव में गर्म करते हैं ये चीजें, तो आज से ही बदल दें अपनी आदत, जानें वजह

आजकल माइक्रोवेव आपको घर घर की रसोई में मिल जाएगा। कोई भी चीज इसमें झटपट बन जाती है। फटाफट इसमें खाने को गर्म किया जा सकता है। इसलिए लोगों को माइक्रोवेव काफी सुविधाजनक लगता है। सिर्फ घर पर ही नहीं, बल्कि वर्कप्लेस की कैन्टीन में भी खाने को गर्म करने के लिए माइक्रोवेव का इस्तेमाल किया जाता है।

लेकिन किसी भी चीज के जितने फायदे होते हैं, उतने ही नुकसान भी होते हैं। माइक्रोवेव में भी हर चीज को गर्म नहीं किया जा सकता क्योंकि कुछ चीजों को इसमें गर्म करने से इसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। वहीं कुछ चीजें इसमें गर्म होने के बाद शरीर के लिए नुकसानदायक हो जाती हैं। यहां जानिए उन चीजों के बारे में जिन्हें माइक्रोवेव में गर्म नहीं करना चाहिए।

मशरूम

अगर आप माइक्रोवेव में मशरूम को गर्म करें तो इससे इसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में आपको मशरूम का कोई फायदा नहीं मिल पाएगा। इसलिए मशरूम को बनाने के बाद तुरंत खा लेना चाहिए। माइक्रोवेव में गर्म किया गया मशरूम आपका डाइजेशन भी खराब कर सकता है।

चावल

कई बार लोग चावल को माइक्रोवेव में गर्म करते हैं। लेकिन ऐसा करने से फूड पॉइजनिंग की समस्या हो सकती है। दरअसल चावल को माइक्रोवेव में गर्म करने से बैसिलस सीरियस नामक बैक्टीरिया नष्ट होने से ऐसे बीज पैदा हो जाते हैं जो सेहत के लिए हानिकारक माने जाते हैं। ऐसे में इन चावलों को खाने से उल्टी दस्त और पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है।

चिकन

चिकन को माइक्रोवेव में गर्म करने से उसकी प्रोटीन की संरचना में बदलाव हो जाता है। ऐसे में माइक्रोवेव में गर्म चिकन खाने से आपका हाजमा बिगड़ सकता है। इसलिए अगर आप अब तक ऐसा करते आए हैं, तो आज ही इस आदत को बदल दें।

तेल

किसी भी तरह के तेल को माइक्रोवेव में गर्म नहीं करना चाहिए। इससे तेल का गुड फैट बैड फैट में बदल जाता है और वो तेल आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो जाता है। इसलिए ऐसी गलती कभी नहीं कीजिएगा।

अंडा

अगर आप माइक्रोवेव में अंडे उबालते हैं तो अब से ऐसा मत कीजिएगा क्योंकि माइक्रोवेव में अंडे को गर्म करने पर उसके अंदर का तापमान बढ़ता है। इससे अंडा फट जाता है। इसके अलावा अंडे से बनी किसी चीज को भी माइक्रोवेव में गर्म करने से बचना चाहिए। इससे उसके पोषक तत्व समाप्त हो जाते हैं।

तुम्बाड ने री-रिलीज में भी ढाया बॉक्स ऑफिस पर कहर

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड की री-रिलीज को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड थे. लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो गई है. ऐसा लग रहा है कि तुम्बाड पहली बार की तरह अब री-रिलीज में भी कई रिकॉर्ड बनाने वाली है. री-रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स के ओपनिंग कलेक्शन को मात दे दी थी.

सैकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड ने री-रिलीज के पहले दिन भारत में कुल 1.5० करोड़ रुपए की शानदार ओपनिंग की है. जबकि करीना कपूर की मर्डर मिस्ट्री फिल्म द बकिंघम मर्डर्स ओपनिंग डे पर सिर्फ 1.25 करोड़ रुपए ही कमा पाई है. इस तरह तुम्बाड ने द बकिंघम मर्डर्स को शिकस्त दे दी है. सोहम शाह स्टारर तुम्बाड एक हॉरर-फैंटेसी फिल्म है जिसे राही अनिल बारवे ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 2०18 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की गई थी. ओटीटी पर तुम्बाड को खूब सराहना मिली थी. अब फिल्म को दोबारा पर्दे पर रिलीज किया गया है और इसी बीच सोहम शाह ने फिल्म का सीक्वल अनाउंस कर दिया है. सोहम शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का एक टीजर शेयर करते हुए तुम्बाड 2 की अनाउंसमेंट की है. उन्होंने लिखा है- तुम्बाड 2, प्रलय आएगा. करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स की बात करें तो ये एक मिस्ट्री-थ्रिलर है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए आजमाएं ये टमाटर का खास नुस्खा, चमकने लगेगा हर कोना

हर कोई घर को खूबसूरत बनाना चाहता है, लेकिन घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि कई बार कुछ चीजें घर की सुंदरता को कम कर देती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं, तो आपको बाथरूम की सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए।

कई बार घर बहुत खूबसूरत होता है, लेकिन घर में बनी बाथरूम की टाइल्स पीली दिखाई देती है, जिससे घर पर आया मेहमान मुंह बनाने लगता है और इससे आपके घर की खूबसूरती खराब होने लगती है। अगर आप भी इन पीली टाइल्स से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो टमाटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। टमाटर में मौजूद एसिड हल्के दागों को हटाने में काफी मदद करता है।

बाथरूम की टाइल्स को ऐसे करें साफ

बाथरूम की टाइल्स को साफ करने के लिए आप टमाटर से पेस्ट बना सकते हैं। इसके लिए आपको एक टमाटर को काटकर उसका पेस्ट बनाना होगा। अब आप दाग वाले हिस्से पर पेस्ट लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। थोड़ी देर बाद एक नरम ब्रश की मदद से दाग वाले हिस्से को रगड़ें। इसके बाद आप साफ पानी से टाइल्स को अच्छी तरह धो लें। इससे टाइल्स पर लगी पीली परत और गंदगी दूर होगी और टाइल्स चमकदार बनेगी।

टमाटर का इस्तेमाल

टमाटर का इस्तेमाल करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। टमाटर का रस सभी तरह के फर्श के लिए सुरक्षित नहीं माना गया है। अगर आप मार्बल, ग्रेनाइट और दूसरे पत्थरों पर टमाटर के रस का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे टाइल्स का रंग फीका पड़ सकता है। इसके अलावा टमाटर, तेल या ग्रीस के दागों को हटाने के लिए काफी नहीं है। इसके लिए आप दूसरे नुस्खे आजमा सकते हैं।

टमाटर के रस को लगाने के बाद फर्श को अच्छी तरीके से धो लें, नहीं तो दाग दिखाई देंगे। अगर आपके घर पर लकड़ी का फर्श लगा हुआ है, तो टमाटर के रस का इस्तेमाल न करें। नहीं तो फर्श का रंग बदल सकता है। पेंटेड फर्श पर भी टमाटर के रस का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए, नहीं तो फर्श को नुकसान हो सकता है।

क्लीनर का करें इस्तेमाल

आप टमाटर के रस के अलावा बाजार से अच्छी क्वालिटी की क्लीनर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप बाथरूम की टाइल्स को साफ करने के लिए सिरका, बेकिंग सोडा और खट्टे फलों का रस जैसे नींबू, संतरा आदि चीजों का इस्तेमाल कर बाथरूम की टाइल्स को साफ कर सकते हैं। किसी भी क्लीनरका इस्तेमाल करने से पहले टेस्ट जरूर करें। (आरएनएस)

फेंगशुई से दिशाओं के गलत प्रभावों को किया जा सकता है दूर

वास्तुशास्त्र सालों से अपने पुराने नियमों में बँधा हुआ है, जिसमें प्रकृति के नियम परिवर्तन के लिए कोई जगह नहीं है। मगर फेंगशुई के जरिए समय के साथ दिशाओं के बुरे प्रभावों को दूर किया जा सकता है।

वर्तमान में दक्षिण दिशा को शुभ माना जा रहा है, मगर किसी समय दक्षिण दिशा में किए जाने वाले कार्य अशुभ माने जाते थे। इसमें दिशाओं का कोई दोष नही है।

दिशाएँ कोई बुरी नहीं होतीं, बुरे होते हैं दिशाओं पर मौजूद सितारे। अगर कोई मकान बनाता है तो वास्तु के अनुसार दिशाओं के बुरे प्रभावों को दूर करने के लिए तोड़-फोड़कर मकान या किसी भी अन्य भवन को नए सिरे से निर्मित करना पड़ेगा। मगर फेंगशुई के जरिए बिना तोड़-फोड़ के दिशाओं के बुरे प्रभावों को दूर किया जा सकेगा।

फेंगशुई पूरी तरह से पाँच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। इन पाँच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

शहर की सड़कों पर मौजूद गड्ढे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करते हैं। पूरे शहर में जगह-जगह गड्ढे खुदे पड़े हैं। इन गड्ढों से निकलने वाली नकारात्मक ऊर्जा शहर के विकास में बाधक है। गड्ढों पर होने वाले हादसे विषैली ऊर्जा का संचार करते है। यही वजह है कि एक्सिडेंट अधिक होते हैं।

शब्द सामर्थ्य - 73

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

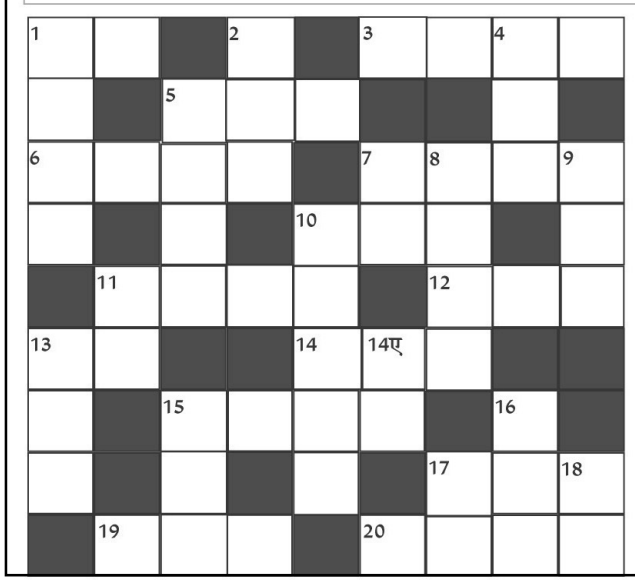

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

गोट ने किया वर्ल्डवाइड 400 करोड़ का आंकड़ा पार

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की एक्शन थ्रिलर फिल्म गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) के बॉक्स ऑफिस ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 12 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म गोट ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 12वें दिन 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. 11वें दिन फिल्म ने डॉमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर ली थी. ऐसा कर विजय की फिल्म गोट कॉलीवुड की तीसरी फिल्म बन गई थी. अब फिल्म ने 400 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर ली है. सैकनिल्क के अनुसार, वेंकट प्रभु के डायरेक्शन में बनी फिल्म गोट ने 12 दिनों में घरेलू सिनेमाघरों में 219.75 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है. वहीं, 12वें दिन फिल्म की कमाई में 50 फीसदी की गिरावट आई है. फिल्म ने 12वें दिन 6.50 करोड़ रुपये कमाए हैं और 11वें दिन 13.75 करोड़ की कमाई की थी. ट्रेड एनालिस्ट श्रीधर पिल्लई ने बताया है कि गोट तमिलनाडू में तेजी से चल रही है. गोट अपने घर में दर्शकों को अभी भी थिएटर में खींच रही है. वहीं, आगामी 20 सितंबर को मल्टीपल फिल्म रिलीज होने जा रही हैं, इसमें हरीश कल्याण की लब्बर पांडू, और हिप हॉप आदि कि कडेसी उलगा पोर शामिल है. इससे पहले विजय की करियर की पिछली फिल्म लियो (215 करोड़) और मणिरत्मन की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन पार्ट 1 (213 करोड़ रुपये) का कलेक्शन किया था. अब गोट तमिल सिनेमा की 200 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली तीसरी फिल्म बन गई है. विजय की फिल्म को वेंकट प्रभु ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 380 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बनी है. फिल्म में विजय के साथ प्रशांत और प्रभुदेवा जैसे एक्टर भी हैं. फिल्म विजय का डबल रोल देखने को मिल रहा है. विजय के फैंस के लिए यह बड़ा तोहफा है.

बॉक्स ऑफिस पर द बकिंघम मर्डर्स की दैनिक कमाई में भारी गिरावट

हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया था।इस फिल्म में अभिनेत्री करीना कपूर मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं, जिन्होंने अपनी उम्दा अदाकारी से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है, लेकिन यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही है।केवल 4 दिन में द बकिंघम मर्डर्स की दैनिक कमाई लाखों में सिमट गई है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, द बकिंघम मर्डर्स ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6 करोड़ रुपये हो गया है।द बकिंघम मर्डर्स ने 1.15 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 1.95 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।तीसरे दिन इस फिल्म ने 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। द बकिंघम मर्डर्स के जरिए करीना ने बतौर निर्माता अपनी शुरुआत की है। उन्होंने एकता कपूर के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है।इसमें कीथ एलन और रणवीर बरार जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है। फिल्म को लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है।द बकिंघम मर्डर्स एक जासूस मां जसमीत भामरा की कहानी है, जिसे अपने बच्चे को खोने के बाद बकिंघमशायर में एक 10 वर्षीय बच्चे की हत्या की जांच करनी है। द बकिंघम मर्डर्स की बात करें तो फिल्म में करीना के साथ शेफ रणवीर बराड़ अहम किरदार निभाते नजर आए हैं. फिल्म को हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया है. अब करीना सिंघम अगेन में नजर आएंगी. ये फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

स्त्री 2 ने 600 करोड़ क्लब की ओर अग्रसर

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' साल की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक बन चुकी है. ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से इतने नोट छाप रही है कि मेकर्स भी गिनते-गिनते थक गए हैं लेकिन ये बॉक्स ऑफिस से हटने का नाम नही ले रही है.यहां तक की रिलीज के पांचवें हफ्ते में भी 'स्त्री 2' का आतंक जारी है. चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 32वें दिन यानी पांचवें संडे कितना कारोबार किया है? राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' साल की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक बन चुकी है. ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से इतने नोट छाप रही है कि मेकर्स भी गिनते-गिनते थक गए हैं लेकिन ये बॉक्स ऑफिस से हटने का नाम नही ले रही है.यहां तक की रिलीज के पांचवें हफ्ते में भी 'स्त्री 2' का आतंक जारी है. चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 32वें दिन यानी पांचवें संडे कितना कारोबार किया है? 'स्त्री 2' ने वो कर दिखाया है जो मोटे बजट वाली और बड़े स्टार कास्ट वाली फिल्म नहीं कर पाईं. ये हॉरर कॉमेडी अब हिंदी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने से बस इंचभर दूर रह गई है. दरअसल ये रिकॉर्ड अभी तक शाहरुख खान की जवान के नाम था. जवान का हिंदी वर्जन में लाइफटाइम कलेक्शन 582.31 करोड़ रुपये है और कई भाषाओं में रिलीज होने के बाद भारत में कुल मिलाकर इसने 640.25 करोड़ रुपये कमाई की थी. वहीं 'स्त्री 2' की अब तक की कमाई 580 करोड़ के पार हो गई है और ये जवान के रिकॉर्ड को ब्रेक करने से बस 2 करोड़ ही दूर है. उम्मीद है कि पांचवें मंडे फिल्म ये माइल स्टोन भी पार कर लेगी और सबसे सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन जाएगी. इसी के साथ ये 600 करोड़ क्लब के भी बेहद नजदीक पहुंच जाएगी.

प्रज्ञा जैसवाल का हॉट लुक, अदाएं देख देख फैंस हुए फिदा

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही सुर्खियां बटौरता रहता है। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका आउटफिट देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होते ही लाइमलाइट बटौरने लगता है।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में एक से बढक़र एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी फॉलो करते हैं।

ओपन हेयर को वेवी स्टाइल में लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने उनके लुक पर चार चांद लगा दिया है।

प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों पर लोगों ने कॉमेंट करते हुए सो प्रीटी, बेहद शानदार, यू लुक सो हॉट लिखा है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर करती रहती हैं। (आरएनएस)

अवनीत कौर का ब्लू ब्रालेट में दिखा बोल्ड अंदाज

छोटे पर्दे से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका हॉट लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही वायरल होने लगता है।

टीवी की मशहूर अभिनेत्री अवनीत कौर अपनी खूबसूरती और अंदाज के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है. इन तस्वीरों में अवनीत कौर ब्लू ब्रालेट में नजर आ रही हैं. उनके खुले बाल और लाइट मेकअप उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं. अवनीत ने इन तस्वीरों में बेहद कातिलाना पोज दिए हैं, जिन्होंने उनके फैंस का दिल जीत लिया है. अवनीत की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं. फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट शेयर करती हैं तो फैंस उन पर दिलखोलकर लाइक्स करते हैं। (आरएनएस)

विकसित भारत के लिए भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव

रवनीत सिंह बिट्टू

हमारे देश की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक प्रकाश-पुंज की तरह है, जो विकसित भारत की दिशा में हमारे द्वारा उठाए जा रहे कदमों के रूप में प्रतिबिम्बित होता है। अब यह क्षेत्र केवल अर्थव्यवस्था में योगदानकर्ता भर नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से भारत की विकास गाथा का आधार बनता जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में नीतियों, पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास के बेहतरीन मिश्रण ने इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जिससे यह वैश्विक मंच पर एक मजबूत ताकत बनकर उभरा है। वर्तमान में भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर वाली समृद्ध अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 में देश की स्वतंत्रता की शताब्दी तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनना है।

भारत में हो रहे बदलावों के मूल में इसकी समृद्ध कृषि-जलवायु विविधता है, जो हमारे किसानों को विभिन्न प्रकार की विशिष्ट फसलें उगाने में सक्षम बनाती है। दालें, मोटे अनाज, दूध, गेहूं, चावल तथा फलों और सब्जियों के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश होने के रूप में, भारत के पास मूल्य वर्धन के लिए संसाधनों का अद्वितीय आधार मौजूद है। हमारे मेहनतकश किसानों द्वारा सावधानीपूर्वक पोषित इस कृषि प्रचुरता ने नवाचार और उद्यमिता के दौर को जन्म दिया है, जिससे उन्नतिशील खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का उदय हुआ है।

यह क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास का आधार बन चुका है, जो रोजगार के अवसरों के सृजन, तकनीकी प्रगति और बाजार के नए अवसरों के निर्माण के माध्यम से विकास को गति दे रहा है। भारत शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी और सबसे युवा कामकाजी आबादी होने का भी दावा करता है, जिससे इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को और बढ़ावा मिलता है। उन्नत प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके, इस उद्योग ने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने, उत्पाद की शेल्फ लाइफ बढ़ाने और किसानों को उनके प्रयासों के लिए बेहतर रिटर्न दिलाना सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र जैसे-जैसे विकसित हो रहा है, यह न केवल गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरा उतर रहा है, बल्कि वैश्विक उपभोक्ताओं की लगातार बदलती पसंद और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अपनी पेशकशों में विविधता भी ला रहा है। इस प्रकार कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के बीच का घनिष्ठ सामंजस्य आर्थिक प्रगति के शक्तिशाली साधन का रूप ले चुका है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारे किसान और कृषि देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत के कृषि उत्पाद दुनिया के कोने- कोने में संवर्धित मूल्य और गुणवत्ता के साथ पहुंचे। ऊर्जावान और युवा कार्यबल द्वारा समर्थित इस एकीकरण के माध्यम से, हम इस सशक्त, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के उद्भव का साक्षी बन रहे हैं जो भारत को एक समृद्ध और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाने के लिए तत्पर है।

एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, कोविड-19 महामारी ने इस क्षेत्र के प्रभावशाली लचीलेपन को दर्शाया, जो प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के अनुरूप तेजी से अनुकूलित हुआ। रेडी-टू-ईट, रेडी-टू-कुक और मूल्य-वर्धित उत्पादों की ओर धीरे-धीरे बदलाव ने खाद्य सुरक्षा और पोषण में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने, सुविधा प्रदान करने, लंबी शेल्फ लाइफ और दूरदराज के क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए मजबूत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र आवश्यक है। यह किसानों के लिए बेहतर दामों की प्राप्ति भी सुनिश्चित करते हुए और बाजार के अवसरों में वृद्धि करते हुए, जीडीपी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है और आजीविका में सहायता प्रदान करता है।

इस संबंध में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) सबसे अग्रणी है, जो पीएम किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का समर्थन कर रहा है। यह पहल अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास करके और खेत से लेकर खुदरा तक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को अनुकूलित करके इस क्षेत्र को बदल रही है। इन प्रयासों को पूर्णता प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना प्रौद्योगिकी उन्नयन, क्षमता निर्माण और विपणन में सहायता के माध्यम से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के विकास को बढ़ावा देती है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएस) वृद्धिशील बिक्री से जुड़े वित्तीय पुरस्कारों की पेशकश करके घरेलू विनिर्माण एवं निर्यात वृद्धि को और बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, नाबार्ड के अंतर्गत 2000 करोड़ रुपये का विशेष अवसंरचना कोष इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समन्वित दृष्टिकोण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और संबंधित क्षेत्रों को उन्नत बनाने के लिए एक व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है, जो मजबूत, एकीकृत और दूरंदेशी विकास पथ सुनिश्चित करता है।

भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसका जनसांख्यिकीय लाभांश खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए नई ऊंचाइयों को छूने के अनूठे और अभूतपूर्व अवसरों का सृजन करता है। सरकार के महत्वपूर्ण कर संबंधी प्रोत्साहनों, कारोबार करने में सुगमता की सुव्यवस्थित पहल और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास सहित दूरदर्शी व्यवसाय समर्थक सुधारों ने निवेश और विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया है। यह सहयोगपूर्ण परिदृश्य न केवल वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है बल्कि भारत को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में नवाचार और विस्तार के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी स्थापित करता है।

वर्ष 2023 में पिछले संस्करण की शानदार सफलता के बाद, मंत्रालय 19 से 22 सितंबर 2024 तक वर्ल्ड फूड इंडिया के तीसरे संस्करण का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में खाद्य उद्योग के हर पक्ष से जुड़े हितधारक विचारों का आदान-प्रदान करने, अवसरों का अन्वेषण करने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के लिए एक साथ आएंगे। यह एक अनोखा सम्मेलन होगा जिसमें दुनिया भर के खाद्य इकोसिस्टम से जुड़े निर्माता, उत्पादक, निवेशक, नीति-निर्माता और संगठन शामिल होंगे।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 एक ऐसा मंच है, जहां हितधारक नवाचारों का अन्वेषण करने, साझेदारी बनाने और टिकाऊ खाद्य भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने के लिए एकत्रित होते हैं। आइए, हम अपने सामने मौजूद अवसरों का लाभ उठाएं तथा अधिक समृद्ध और लचीली खाद्य प्रणाली की दिशा में ऐसी यात्रा की शुरुआत करें, जो मूल्य श्रृंखला में सभी हितधारकों को लाभान्वित करे। सामंजस्य के इस दौर में, हम न केवल एक उद्योग को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे भविष्य के साझा विजन को भी अंगीकार कर रहे हैं जहां नवाचार, स्थिरता और समृद्धि हमारे देश के कोने-कोने का उत्थान करे।

लेखक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री है

सू- दोकू क्र. 73

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

भारत पिछड़ा, मौका हाथ से गया

चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब आगे क्या विकल्प है?

श्रम केंद्रित मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के हटने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से निकल गया है। यह बात विश्व बैंक ने कही है। बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है। बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है। जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है। इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017-18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है। स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या नौकरियां गई हैं।

विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है। बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन (मूल्य श्रृंखला) में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा। गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वो मेक इन इंडिया और आत्म-निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है। लेकिन अब उन नारों की हकीकत देश के सामने है। विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है? वर्तमान केंद्र सरकार ऐसे गंभीर मसलों पर किसी राष्ट्रीय बहस की शुरुआत करेगी, इसकी उम्मीद तो नहीं है; लेकिन विपक्ष के पास भी क्या इसकी इच्छाशक्ति एवं बौद्धिक साहस है? (आरएनएस)

कई बीमारियों से भी बचाता है पर्वतारोहण

पहाड़ पर चढ़ना यानी पर्वतारोहण लोगों का साहसिक शौक माना जाता है, लेकिन इसके कई फायदे भी हैं। शोधकर्ताओं की माने तो इससे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। तो अगली बार अगर कोई आपको हाईकिंग (पर्वतारोहण) पर चलने को कहे तो आपको भी इसमें शामिल हो जाना चाहिए। मोटापा या बढ़ते वजन की शिकायत से पीड़ित लोगों के लिए यह काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आप एक घंटे की हाईकिंग करते हैं तो उस एक घंटे में आपकी 500 कैलोरीज घटती हैं।

दोस्तों के साथ चलते-चलते एक घंटे कब बीत जाते हैं पता भी नहीं चलता और आप 500 कैलोरी भी बर्न कतर लेते हैं। इसके साथ ही अगर दूरी ज्यादा है तो आपका वजन भी ज्यादा घट सकता है। यह बात जानकर आपको बहुत आश्चर्य होगा कि हाइकिंग आपके शुगर लेवल को संतुलित करती है। जब आप हाइकिंग करते हैं तो आपकी सारी मांसपेशियां काम करती हैं और शरीर के ग्लूकोज भी ऊर्जा में परिवर्तित हो जाता है। जो लोग लगातार हाइकिंग करते हैं उन्हें हार्ट स्ट्रोक और हृदय की समस्या कम होती है। साथ ही साथ ब्लड प्रेशर भी ठीक रहता है। कोलेस्ट्रॉल भी कम करने में सहायक होता है। कार्डियो एक्सरसाइज से अपेक्षा लगातार हाइकिंग करने वाले लोगों में ब्लड प्रेशर संबंधित बीमारियां नहीं होती हैं।

भव्य रामलीला डिजिटल तकनीक से 50 लाख से अधिक दर्शकों तक पहुचेगी: थापर

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में पहली बार डिजिटल तकनीक से 50 लाख से अधिक दर्शकों तक पहुंचेगी देहरादून में गढ़वाल की ऐतिहासिक भव्य रामलीला मंचन। प्रेस वार्ता के दौरान यह बात अभिनव थापर द्वारा कही गयी।

आज यहां श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून (पंजी.) द्वारा गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला को टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में पुर्नजीवित करने का संकल्प लिया है और इस हेतु देहरादून के टिहरी-नगर के आजाद मैदान, टिहरी नगर, निकट बंगाली कोठी, दून यूनिवर्सिटी रोड़, देहरादून में 11 दिन की भव्य रामलीला का मंचन शारदीय नवरात्रों में 3 से 13 अक्टूबर तक किया जाएगा। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि गढ़वाल की ऐतेहासिक रामलीला 1952 से पुरानी टिहरी की रामलीला 1952 के 'आजाद मैदान' में 2002 तक टिहरी के डूबने तक होती रही और टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में इसको 21 वर्षो बाद भव्य रूप से 2023 में पुनर्जीवित किया गया।

2023 में आयोजित भव्य रामलीला में विशेष आकर्षण के रूप में उत्तराखंड के इतिहास में पहली बार लेजर शो व डिजिटल लाईव टेलीकास्ट का प्रसारण किया गया था जिससे विभिन्न माध्यमों के द्वारा हमारे रामलीला मंचन को 2023 में रिकॉर्ड 10 लाख लोगों तक पहुंचाने में सफलता पाई। इस बार रामलीला में विशेष आकर्षण के रूप में उत्तराखंड के इतिहास में पहली बार रामलीला मंचन का प्रसारण को 50 लाख से अधिक दर्शकों द्वारा देखा जाएगा। कलाकारों में मूलरूप से उत्तरकाशी निवासी अनिल नौटियाल भटवाड़ी, उत्तरकाशी, ऋषिकेश आदि कई प्रसिद्ध रामलीलाओ के अनुभव के साथ राम का पात्र निभाएंगे और साथ ही गढ़वाली फिल्मों की प्रसिद्ध गायिका 'प्यारी निर्मला' फेम शिवानी नेगी और कान्हा रे कान्हा फेम पूनम सकलानी जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी इस रामलीला में अभिनय करेंगे। देहरादून स्थित टिहरी नगर में रामलीला आने वाले शारदीय नवरात्रों में 3 अक्टूबर 2024 से भव्य रूप से आयोजित करी जाएगी।

संस्कृति और तकनीक के अद्भुत संगम की ऐसी भव्य रामलीला का उत्तराखंड के प्रमुख क्षेत्र गढ़वाल, कुमाऊँ व उत्तराखंड से बाहर के क्षेत्र में विभिन्न डिजिटल माध्यम से 50 लाख से अधिक दर्शकों तक पहुंचने वाली या उत्तराखंड की पहली रामलीला होगी। इस रामलीला में चौपाई, कथा, संवाद,मंचन आदि सब गढ़वाल की 1952 से चली आ रही प्रसिद्ध व प्राचीन रामलीला के जैसा ही होगा, जिससे गढ़वाल के लोगों का अपनत्व देहरादून में भी जुड़ा रहे। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष अभिनव थापर, सचिव अमित पंत, शिव प्रसाद नौटियाल, गिरीश चंद्र पांडेय, नरेश कुमार, मनोज कुमार जोशी, शिवानी नेगी, पूनम सकलानी, आदि ने भाग लिया।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर फिर..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

काम करना शुरू कर दिया था लेकिन अब एक बार फिर से बड़ा भूस्खलन होने से यात्रा बाधित हो गई है। इन दिनों हेली सेवा से ढाई-तीन सौ श्रद्धालु हर रोज धाम पहुंच रहे हैं तथा बड़ी संख्या में पैदल मार्ग से भी श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी था।

स्थानीय प्रशासन द्वारा मार्ग पर फंसे यात्रियों से अपील की गई है कि वह धैर्य बनाए रखें और अभी सुरक्षित स्थानों पर ही रुके रहे। उन्हें जल्द से जल्द निकाला जाएगा। राज्य में भले ही बारिश का दौर अब थमता दिखाई दे रहा हो लेकिन भूस्खलन की घटनाओं में अभी कोई कमी आती नहीं दिख रही है। उधर चंपावत से प्राप्त समाचार के अनुसार स्वाला के पास एक बार फिर भूस्खलन से टनकपुर-पिथौरागढ़ मार्ग भी बंद हो जाने की खबर है। यही नहीं यमुनोत्री मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन का खतरा बना हुआ है तथा मार्ग पर आवाजाही में दिक्कतें हो रही है।

बढ़ते महिला अपराधों पर कांग्रेस...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

जबकि प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व सीएम हरीश रावत, रंजीत रावत, नेता विपक्ष यशपाल आर्य, डा. हरक सिंह, सूर्यकांत धस्माना सहित तमाम बड़े नेता भी साथ थे। कांग्रेस नेताओं को हाथी बड़कला में रोके जाने पर यहां वह सड़क पर बैठ गए और काफी देर तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी व प्रदर्शन किया।

लोकगायक नरेन्द्र सिंह नेगी ने सौ साल पुराने लोकगीत को दी आवाज

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी ने हर्षिल के राजा के नाम से मशहूर ब्रिटिश व्यापारी फ्रेडरिक विल्सन के बेटों और दो गढ़वाली लड़कियों की प्रेम कहानी पर एक पुराना लोकगीत गाया है। अनुमान है कि यह गीत सौ साल से भी ज्यादा पुराना है। इससे संगीत प्रेमियों और इतिहासकारों को उत्तरकाशी के धराली गांव के नाथू विल्सन और हेनरी विल्सन की रूदा-गुदौरि (गोदावरी) से प्रेम कहानी को दर्शाने वाला लोकगीत सुनने का मौका मिलेगा।

ब्रिटिश शिकारी और सेना से भागे फ्रेडरिक विल्सन 1840 में हर्षिल (उत्तरकाशी) आकर बस गए और दो स्थानीय लड़कियों से शादी कर ली। उनके तीन बेटे थे हेनरी, नाथू और चार्ल्स विल्सन। फ्रेडरिक विल्सन और उनके तीन बेटों के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। विल्सन को प्रसिद्ध लेखक रस्किन बॉन्ड की कई लघु कथाओं में जगह मिली है। बॉन्ड की कहानी तो विल्सन के भूत पर भी है।

धारली और हरसिल के चरवाहे कभी-कभार लोकगीत सुनाया करते थे। 'नाथू विल्सन और रूड़ा-गोदवारी' शीर्षक वाला यह गीत नेगी को अपने एक मित्र राजू से मिला और उन्होंने इसे गाने का फैसला किया।

नरेंद्र नेगी कहते हैं कि जब मैं 1992 में उत्तरकाशी में तैनात था तो मुझे हरसिल में फ्रेडरिक विल्सन के बंगले पर जाने का मौका मिला। पारंपरिक लकड़ी की नक्काशी वाला यह बंगला अद्भुत था। लेकिन, उस समय किसी ने मुझे नहीं बताया कि विल्सन के परिवार के सदस्यों पर कोई लोकगीत भी है। हाल ही में मुझे एक मित्र के माध्यम से यह गीत मिला और मैंने इसे सार्वजनिक करने का फैसला किया। लोकगीतों को डिजिटल बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए, अन्यथा वे हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे।

फ्रेडरिक विल्सन गढ़वाल के प्रसिद्ध वन ठेकेदार थे। हरसिल से स्लीपर काटकर और तैराकर विल्सन दुनिया के इस हिस्से के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक बन गए। विल्सन के जीवनकाल में ही हेनरी, नाथू और चार्ल्स विल्सन तीनों का विवाह हुआ। 1883 में उनकी मृत्यु हो गई और उन्हें मसूरी के कैमल्स बैक रोड कब्रिस्तान में दफनाया गया। उनके तीन बेटे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने में असफल रहे। हालांकि विल्सन और उनके परिवार के पास हरसिल, मसूरी, हरिद्वार और देहरादून में बड़ी संपत्तियां थीं, लेकिन समय के साथ फ्रेडरिक विल्सन की यादें धुंधली हो गई हैं। यह लोकगीत विल्सन की पुरानी यादों को ताजा करता है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेसियों ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। बढती महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी काम्प्लेक्स के बाहर धरना दिया।

आज व्यापार प्रकोष्ठ के व्यापारियों ने राजीव गांधी कांप्लेक्स राजीव गांधी की मूर्ति के आगे महंगाई के विरोध में 12 बजे से एक बजे तक धरना दिया। जिसमें उन्होंने कहा की सरकार खाद्य पदार्थों पर महंगाई बढ़ती जा रही है आटा, दालचीनी, पत्ती मसाले, सरसों का तेल, रिफाइंड इन सब चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। अभी-अभी सरकार ने सरसों का तेल रिफाइंड और मसाले पर रेट बढ़ा दिए हैं जिससे आम लोगों

को घर का खर्च चलाने में बड़ी दिक्कत हो रही है। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा सरकार को खाद्य पदार्थ के रेट कम करने चाहिए जिससे आम लोगों को राहत मिले। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा रोजमर्रा की चीजों में सरकार को जीएसटी हटा देना चाहिए और दान काम करने चाहिए जिससे गरीब आदमी को और मीडियम क्लास को अपना परिवार चलाने के लिए परेशानी ना हो। महानगर कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा का कहना है कि सरकार को खाद्य पदार्थ जूता, कपड़े के दाम आसमान छू रहे हैं दाम कम करने चाहिए जिससे महंगाई से कुछ राहत मिल सकती है। पार्षद अर्जुन सोनकर, राकेश पवार, जाकिर खान, दिनेश, सुरेश पाशा, ताबीज अहमद, आशीष गुसाई, रजत कुमार, आमिर खान, भगत, भूरा, राजेश मित्तल, राम कपूर, अजीत सिंह, चमन लाल, तीरथ सचदेवा, फुरकान अहमद, राजेंद्र सिंह घई, सनी सोनकर, शाहिद, सोमप्रकाश वाल्मीकि, अनस अहमद, राहुल शर्मा, दिनेश गुप्ता, रामप्रवेश, मोहम्मद असलम आदि मौजूद थे।

चोपड़ा ने भाजपा सदस्यता अभियान को तीव्रगति प्रदान की

संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने अपने तमाम सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक वह सक्रिय सदस्यता अभियान को तीव्रगति प्रदान की।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सदस्य अभियान के लक्ष्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने अपने तमाम सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक वह सक्रिय सदस्यता अभियान से जोड़ते हुए उत्तराखंड में प्रथम चरण दितीय चरण तृतीय चरण में लगभग 40000 से 50000 असंगठित क्षेत्र के रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स बैटरी रिक्शा चालक राजमिस्त्री, घर खाता मजदूर, कर्मकार मजदूर कर्मयोगी को भाजपा सदस्य शिविर लगा कर मजदूरों को सार्वजनिक तौर पर प्रथम वेंडिंग जोन के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी ऑनलाइन वह प्रत्यक्ष रूप से आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई।भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अभियान के

सहयोगकर्ता केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के पूर्व सदस्य आलोक मिश्रा ने भाजपा सदस्य अभियान में 18 वर्ष के आयु के युवा छात्र-छात्राओं को भी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता प्राथमिकता के साथ दिलाई।

इस अवसर पर भाजपा उत्तराखंड के असंगठित क्षेत्र के मजदूर रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर बैटरी रिक्शा चालक दैनिक मजदूरी के कामगार चौकीदार संगठन के प्रतिनिधियों को भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई जा रही है ताकि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा उत्तराखंड सहित देश के कोने-कोने तक पहुंचाई जा सके और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सर्वज्ञ विकास में असंगठित क्षेत्र का वर्ग भी सम्मिलित किया जा सके।

उन्होंने कहा उत्तराखंड में जितने भी सामाजिक संगठनों का वह नेतृत्व करता हैं सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि प्रतिदिन भाजपा सदस्य संयोजक बनाकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्य अभियान की लक्ष्य पूर्ति प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता अभियान के शिविर में सम्मिलित हुए पंडित मनीष शर्मा. ओम प्रकाश भाटिया. मानसिंह. मोहनलाल पाल. मदन सिंह पाल. मुन्नालाल शर्मा. अशोक कुमार. वीरेंद्र कुमार. सचिन कुमार राजपूत. अभिषेक गुप्ता. राकेश गोलू सोनू.ज गोपाल कृष्ण. चंदन सिंह रावत. बालवीर गुप्ता. सतपाल ठाकुर. सोनू हालदार. बालकिशन. मंजू पाल सुनीता चौहान. पुष्पा देवी. संगीता देवी. पार्वती. सीमा. कामिनी मिश्रा. आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

मस्जिद के अवैध हिस्से को ढहाने पहुंची बीएमसी, विरोध में गाड़ियों में तोड़फोड़

मुंबई। मुंबई के सबसे बड़े स्लिम एरिया धारावी से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां बीएमसी की टीम मस्जिद के एक अवैध हिस्से को हटाने पहुंची। जिसके बाद वहां पर हंगामा हो गया और मुस्लिम समुदाय ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की। दरअसल, बीएमसी की टीम शनिवार को महबूब-ए-सुबानिया मस्जिद के अवैध हिस्से को तोड़ने पहुंची थी। इस दौरान मुस्लिम समुदाय सड़कों पर उतर आए और कई गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। तनाव बढ़ने के कारण स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई। हालांकि, अभी धारावली में स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है और पुलिस के साथ-साथ बीएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर मुस्लिम समुदाय के नेताओं से मामले पर चर्चा कर रहे हैं। खबर के मुताबिक, धारावी के 90 फीट रोड पर स्थित 25 साल पुरानी मस्जिद को बीएमसी ने अनधिकृत माना। जिसके बाद बीएमसी इस मस्जिद को गिरने के लिए आज मौके पर पहुंची थी। इस दौरान पुलिस बल भी साथ था। ऐसा बताया जा रहा है कि मस्जिद के अवैध हिस्से को तोड़ने के लिए बीएमसी ने पहले ही नोटिस भेज दिया था। जैसी ही बीएमसी की टीम मस्जिद के अवैध हिस्से को गिरने पहुंची तो लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुस्लिम समाज के लोगों का कहना है कि यह मस्जिद सदियों पुरानी है। इस पर बीएमसी द्वारा की जा रही कार्रवाई गलत है। इस संबंध में मुंबई उत्तर मध्य की सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सीएम एकनाथ शिंदे से हस्तक्षेप की मांग की है।

अभिनेता प्रवीन डबास का हुआ कार एक्सीडेंट, आईसीयू में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर प्रवीण डबास का कार एक्सीडेंट को गया है जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गए हैं। जैसे ही प्रवीण डबास के एक्सीडेंट की खबर आई, तो फैंस भी चिंता में आ गए और फिलहाल सभी एक्टर के लिए दुआ कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रवीण डबास की हालत बहुत नाजुक है। बताया जा रहा है कि जब ये दुर्घटना घटी उस समय प्रवीण खुद ही कार चला रहे थे। हालांकि एक्टर के साथ ये हादसा कब और कहां हुआ, इसके बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। खबर है कि इस वक्त अस्पताल में एक्टर का इलाज चल रहा है, वह आईसीयू में भर्ती हैं और पत्नी उनके साथ ही हैं। एक्टर को मुंबई के होली क्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रवीण डबास की पत्नी ने एक न्यूज पोर्टल के साथ बात करते हुए कहा है- इस एक्सीडेंट से मैं और पूरी फैमिली शॉक्ड हैं। समझ नहीं आ रहा है कि अचानक ये क्या हो गया। एक्टर की लेटेस्ट मेडिकल अपडेट की मानें तो प्रवीण को सीरियस कंसशन (सिर पर चोट लगने के बाद की स्थिति) है। हालांकि एक्टर को कहीं और चोट तो नहीं लगी, इसके लिए डॉक्टर उनकी बारीकी से जांच कर रहे हैं और सीटी स्कैन और अन्य तरह के टेस्ट भी हो रहे हैं, लेकिन प्रवीण अभी बिल्कुल मूव नहीं कर पा रहे हैं।

हरियाणाः एक ही स्कूल की 4 छात्राएं लापता

अंबाला । हरियाणा के अंबाला शहर से एक साथ 4 स्कूली छात्राओं के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आने से शहर में सनसनी फैल गई।परिजनों ने बलदेव नगर चौकी पहुंचकर पुलिस से जल्द से जल्द सभी बेटियों को सुरक्षित घर पहुंचने की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के मुताबिक पहले 3 और फिर 1 छात्रा घर से बिना बताए कहीं चली गई। इस दौरान सभी के फोन भी बंद हैं और कहीं कोई सुराग नहीं लग रहा। इन सभी की उम्र लगभग 12 से 14 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक गायब हुई सभी छात्राएं शहर के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती हैं। लापता छात्राओं में से एक के परिजनों ने बताया कि रात करीब 8:15 बजे छात्रा उनके पास आई और स्कूल ना जाने की बात कही. 8:30 बजे जब छात्रा के पिता ने उसे आवाज लगाई, तो उसका कहीं कोई पता नहीं चला। पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने कहा कि पहले पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया। ज्यादा शोर होने पर एफआईआर दर्ज की। बलदेव नगर थाना एसएचओ ने बताया कि उन्हें 8वीं कक्षा की 4 छात्राओं के लापता होने की सूचना मिली है। इन सभी को ढूंढने के लिए सीआईए 1 और पुलिस की कई टीम में लगी हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने अनिल रतूड़ी की पुस्तक ''खाकी में स्थितप्रज्ञ'' का किया विमोचन

सफलता व असफलता दोनों में एक समान रहना ही है स्थितप्रज्ञः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूडी की पुस्तक 'खाकी में स्थितप्रज्ञ' का विमोचन करते हुए कहा कि सफलता और असफलता में एक समान रहना स्थितप्रज्ञ है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सर्वे चौक स्थित आई.आर.डी.टी सभागार में उत्तराखण्ड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी द्वारा लिखित पुस्तक ''खाकी में स्थितप्रज्ञ'' का विमोचन किया।

अनिल रतूड़ी ने यह पुस्तक एक आईपीएस अधिकारी के रूप में अपने संस्मरण एवं अनुभव के आधार पर लिखी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अनिल रतूड़ी द्वारा इस पुस्तक के माध्यम से एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने सेवाकाल के संस्मरणो, अनुभवों और चुनौतियों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता दोनों में एक समान रहना स्थितप्रज्ञ है। यह पुस्तक सेवा में आ रहे लोगों को निर्णय लेने में मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमें एहसास होता है कि धरा पर कोई हमारा साथ देने वाला नहीं, तब हम धरातल से ऊपर उठकर सीधे प्रभु से संबंध वाली स्थिति में आते हैं, यह भी स्थितप्रज्ञ है। ऐसा प्रभु की कृपा से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिल रतूड़ी ने एक सफल और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्य किया। रतूड़ी दंपति ने अपने कार्यों और व्यवहार से उत्तराखण्ड में ही नहीं बल्कि देश में अपना एक विशेष स्थान बनाया। कहा कि पुलिस के पास शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने की बड़ी चुनौती होती है। हर चुनौती का सामना करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ संयम का होना भी जरूरी होता है।''खाकी में स्थितप्रज्ञ'' पुस्तक के लेखक अनिल रतूड़ी ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने पुलिस अधिकारी के रूप में साढ़े तीन दशक के अनुभव के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण संस्मरणों, अनुभवों और चुनौतियों का वर्णन करने का प्रयास किया है। इस पुस्तक के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि हमारे नये अधिकारी कैसे चुनौतियों का सामना कर धैर्य से अपने कार्यपथ पर आगे बढ़े और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी कर्तव्यनिष्ठा और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर कर सकें।

कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि ऐसी धारणा होती है कि अगर वर्दी है तो स्थितप्रज्ञ नहीं हो सकता है और अगर स्थितप्रज्ञ जो है वो वर्दी नहीं पहन सकता है। अनिल रतूड़ी ने इस मिथक को अपने जीवन के प्रेरणादायी यात्रा से तोड़ा है कि वर्दी में स्थितप्रज्ञ रहा जा सकता है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मांगलगीत गाया। इस अवसर पर डीजीपी अभिनव कुमार, पूर्व मुख्य सचिव एन. रविशंकर, साहित्यकार एवं पूर्व कुलपति डॉ. सुधा रानी पाण्डे, शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं साहित्य के क्षेत्र से जुड़े महानुभाव उपस्थित थे।

बावरिया गैंग की चेन लुटेरी व 10 हजार की ईनामी गैंग लीडर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। बावरिया गैंग की चेन लुटेरी व दस हजार की ईनामी गैंगलीडर को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 जून को श्रीमती कांति देवी निवासी कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल ने कोतवाली कोटद्वार पर शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 3 अज्ञात महिलाओं ने उसकी 2 सोने की चेन झपट्टा मारकर लूट ली है।

मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। मामले में पुलिस ने बीती 17 जून को दो महिला आरोपियों करिश्मा पुत्री चन्दू व निशा कुमारी पुत्री होती लाल को पुलिन्दा तिराहा कोटद्वार के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जिसमें एक महिला मुख्य आरोपी सोनी फरार चल रही थी। जिसकी तलाश की जा रही थी। लेकिन आरोपी महिला शातिर किस्म की होने के कारण लगातार अपने ठिकाने बदल कर गिरफ्तारी से बच रही थी, जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक 10 हजार का ईनाम घोषित किया गया था।

बहरहाल पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम ईनामी गैंगलीडर सोनी पत्नी आनंद को अलवर, राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अधजला शव मिलने से हड़कंप, जांच शुरू

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गंगनहर पटरी पर आज सुबह अज्ञात अधजला शव मिलने से हड़कम्प मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मंगलोर क्षेत्र के नसीरपुर पुल के पास दौड़ लगा रहे युवकों में उस समय हड़कंप गया। जब गंगानगर पटरी के किनारे झाड़ियां के पास एक अधजला शव उन्होंने देखा। इसके बाद आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह, मंगलौर सीओ विवेक कुमार एवं प्रभारी निरीक्षक शांति कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने छानबीन की तो घटनास्थल के आसपास लौंग और पूजा की सामग्री समेत अन्य सामान भी पड़ा हुआ मिला।

पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। मृतक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। मामले को तांत्रिक क्रिया से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नई बस्ती राजपुर निवासी सुमित ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कल उसके पिताजी रामकिशन अपने कार्य रोडवेज वर्कशॉप पैदल जा रहे थे। उसी दौराने प्रिन्स चौक के पास किसी अज्ञात वाहन जो तेजी एवं लापरवाही से अपना वाहन चला रहा था के द्वारा उसके पिताजी को पीछे से टक्कर मारकर भाग गया जिससे उसके पिताजी के सिर पर गम्भीर चोट आयी जिसके पश्चात पिताजी को दून अस्पताल ले जाया गया जहाँ उन्हे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।